ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, गुरूवार 23 अप्रैल 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 20

पृष्ठ 4

बंगाल में 91% और तमिलनाडु में 84% रिकॉर्ड मतदान, लोकतंत्र का महापर्व; उत्साह के बीच हिंसा भी

24 न्यूज अपडेट

कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को ऐतिहासिक मतदान दर्ज हुआ। बंगाल की 152 सीटों पर करीब 91.46% और तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 84.41% वोटिंग हुई—जो दोनों राज्यों के चुनावी इतिहास में अब तक का सबसे अधिक प्रतिशत माना जा रहा है। चुनाव आयोग के अनुसार, मतदान में महिलाओं, युवाओं और पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। कई बूथों पर सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिलीं और ग्रामीण क्षेत्रों में भी जबरदस्त उत्साह नजर आया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बढ़ती राजनीतिक जागरूकता और चुनावी प्रतिस्पर्धा का परिणाम है। राजनीतिक प्रतिक्रिया भी तेज रही। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भारी मतदान जनता के स्पष्ट संदेश को दर्शाता है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे परिवर्तन की लहर बताते हुए तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा। हालांकि, बंगाल में कई जगहों पर हिंसा और तनाव की घटनाएं भी सामने आईं। दक्षिण मिदनापुर में भाजपा उम्मीदवार पर हमला, बर्धमान में वाहन पर पथराव, बीरभूम में ईवीएम खराब होने के बाद बवाल और मुर्शिदाबाद में झड़प जैसी घटनाओं ने चुनावी प्रक्रिया पर असर डाला। सिलीगुड़ी समेत कुछ इलाकों में सुरक्षा बलों को हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने अधिकांश मतदान को शांतिपूर्ण बताया और कहा कि सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। केंद्रीय बलों की तैनाती, वेबकास्टिंग और संवेदनशील बूथों की विशेष निगरानी की गई। गौरतलब है कि इससे पहले असम, केरल और पुडुचेरी में भी हाल ही में रिकॉर्ड मतदान दर्ज हुआ था। इससे संकेत मिल रहे हैं कि इस बार चुनावों में जनता की भागीदारी पहले से अधिक सक्रिय है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने रिकॉर्ड मतदान पर संतोष जताते हुए इसे लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक बताया और मतदाताओं को धन्यवाद दिया। अब सभी की नजरें 4 मई को आने वाले नतीजों पर टिकी हैं, जो इन उच्च मतदान प्रतिशतों का राजनीतिक संदेश साफ करेंगे।

सोना 1,057 गिरकर 1.51 लाख पर आया:चांदी 8,086 सस्ती, 2.40 लाख पर आई; इस साल सोना 18 हजार महंगा हुआ

24 न्यूज अपडेट

सोना-चांदी के दाम में आज यानी 23 अप्रैल को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,057 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 22 अप्रैल को इसकी कीमत 1.52 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं एक किलो चांदी 8,086 रुपए गिरकर 2.40 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.48 लाख रुपए प्रति किलो थी।

माई फ्रेंड ट्रम्प ने भारत को बताया 'नरक', बोले—नागरिकता हासिल करते हैं और बाद में पूरे परिवार को बुला लेते हैं

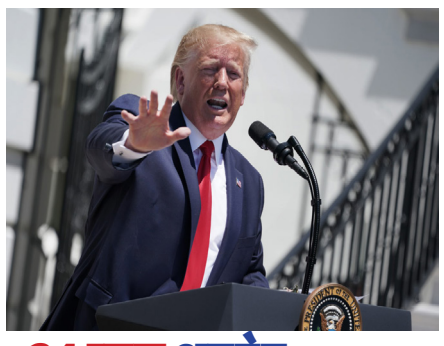

24 न्यूज अपडेट

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रम्प ने एक विवादित पोस्ट साझा कर नया राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। इस पोस्ट में कट्टरपंथी लेखक माइकल सैवेज की चिट्ठी शामिल है, जिसमें भारत और चीन को 'हेल होल' (नरक) बताया गया है और अमेरिका की जन्म के आधार पर नागरिकता (बर्थराइट सिटिजनशिप) व्यवस्था पर सवाल उठाए गए हैं। चिट्ठी में आरोप लगाया गया है कि भारत समेत कई देशों के प्रवासी अमेरिका में बच्चों को जन्म देकर नागरिकता हासिल करते हैं और बाद में अपने पूरे परिवार को वहां बुला लेते हैं। इसमें कहा गया कि यह व्यवस्था अब पुरानी हो चुकी है और इसे अदालतों के बजाय जनमत से तय किया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर भारत सरकार की भी प्रतिक्रिया आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार ने इस मामले से जुड़ी रिपोर्ट्स देखी हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। चिट्ठी में कैलिफोर्निया के टेक सेक्टर में भारतीय और चीनी पेशेवरों के प्रभाव, प्रवासियों द्वारा सरकारी सुविधाओं के उपयोग और सांस्कृतिक बदलाव जैसे मुद्दों को भी उठाया गया है, हालांकि इन दावों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। गौरतलब है कि अमेरिका में जन्म के आधार पर नागरिकता का प्रावधान 14वां संशोधन के तहत 1868 से लागू है। हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने इसे सीमित करने की कोशिश की थी, लेकिन मामला फिलहाल अदालतों में विचाराधीन है। इस पूरे घटनाक्रम ने अमेरिका में इमिग्रेशन नीति, नागरिकता कानून और वैश्विक प्रवास को लेकर बहस को फिर तेज कर दिया है।

राजस्थान में महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी: कर्मचारियों-पेंशनर्स को बड़ी राहत, 60% हुआ DA

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। केंद्र सरकार के फैसले के बाद अब राजस्थान सरकार ने भी कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (DA) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्वीकृति के बाद वित्त विभाग जल्द ही औपचारिक आदेश जारी करेगा। इस निर्णय के तहत राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स का डीए 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है, जो 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगा। बढ़े हुए डीए का लाभ करीब 7.02 लाख कर्मचारियों और 5.44 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। इसके साथ ही पंचायत समिति और जिला परिषद के कर्मचारियों को भी इसका फायदा मिलेगा। सरकार ने भुगतान व्यवस्था भी स्पष्ट कर दी है। कर्मचारियों को मई 2026 के वेतन से बढ़े हुए डीए का नकद भुगतान शुरू होगा, जबकि 1 जनवरी से 30 अप्रैल 2026 तक की एरियर राशि उनके जीपीएफ खातों में जमा कराई जाएगी। वहीं पेंशनर्स को 1 जनवरी 2026 से ही बढ़े हुए डीए का सीधा नकद लाभ दिया जाएगा। इस फैसले से राज्य सरकार पर सालाना लगभग 1156 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने भी अपने कर्मचारियों का डीए 2 प्रतिशत बढ़ाया था, जिसके बाद राज्य सरकार ने परंपरा के अनुसार समान निर्णय लिया है।

सेंसेक्स 852 अंक गिरकर 77,664 पर बंद:निफ्टी भी 205 अंक नीचे, 24,173 पर आया; ऑटो और सरकारी बैंक शेयरों में बिकवाली

24 न्यूज अपडेट

सेंसेक्स आज यानी 23 अप्रैल को 852 अंक (1.09%) गिरकर 77,664 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 205 अंकों (0.84%) की गिरावट रही, ये 24,173 पर आ गया। आज के कारोबार में फार्मा और मीडिया शेयरों में खरीदारी रही, जबकि ऑटो में सबसे ज्यादा बिकवाली।

RPSC भर्ती में फर्जी डिग्री गिरोह का खुलासा: मुख्य आरोपी गिरफ्तार, 10 तक पहुंची गिरफ्तारी

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। राजस्थान लोक सेवा आयोग की प्राध्यापक (हिन्दी) स्कूल शिक्षा भर्ती-2022 में फर्जी डिग्री के जरिए नौकरी हासिल करने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इस प्रकरण में पुलिस ने मुख्य सहयोगी आरोपी ध्वज कीर्ति शर्मा (55), निवासी भीलवाड़ा को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। आरोपी पूर्व में भी फर्जी डिग्री बनाने और उपलब्ध करवाने के मामलों में संलिप्त रह चुका है। अब तक इस पूरे नेटवर्क में अभ्यर्थी कमला कुमारी सहित कुल 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच एजेंसी के अनुसार, महिला अभ्यर्थी कमला कुमारी ने आवेदन के दौरान मेवाड़ यूनिवर्सिटी गंगरार से जारी एम.ए. (हिन्दी) की डिग्री प्रस्तुत की थी। आयोग द्वारा दस्तावेज सत्यापन के दौरान यह डिग्री फर्जी पाई गई। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने स्पष्ट किया कि उनके रिकॉर्ड में इस नाम से कोई डिग्री जारी ही नहीं हुई। मामले में 20 मार्च 2023 को अजमेर के सिविल लाइंस थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि यूनिवर्सिटी से जुड़े कुछ कर्मचारियों और बाहरी आरोपियों ने आपराधिक साजिश रचकर फर्जी मार्कशीट, डिग्री, माइग्रेशन सर्टिफिकेट और चरित्र प्रमाण-पत्र तैयार किए। इन दस्तावेजों पर यूनिवर्सिटी अधिकारियों की नकली मुहर लगाई गई और ध्वज कीर्ति शर्मा के हस्ताक्षर भी किए गए, जिससे उन्हें असली दिखाया जा सके। पूरे नेटवर्क का काम व्यवस्थित तरीके से चलता था, जिसमें अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर उन्हें फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराए जाते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर अभ्यर्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं में आवेदन कर नौकरी हासिल करने का प्रयास किया। इस मामले की जांच की निगरानी कर रहे एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और फर्जी दस्तावेज तैयार करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस गिरोह ने अब तक कितने अभ्यर्थियों को फर्जी डिग्री उपलब्ध कराई।

शिक्षक भर्ती फर्जीवाड़ा: शिक्षा विभाग का यूडीसी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान में तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती (2022) से जुड़े खेल कोटे के फर्जी प्रमाण पत्र मामले में एसओजी ने शिक्षा विभाग के यूडीसी जगदीश सारण को गिरफ्तार किया है। विशाल बंसल के अनुसार, फर्जी ताइक्वांडो सर्टिफिकेट के जरिए चयन करवाया गया। जांच में नकली ईमेल से फर्जी सत्यापन रिपोर्ट भेजने का खुलासा हुआ है। आरोपी ने अभ्यर्थियों से लाखों रुपये लेकर सर्टिफिकेट उपलब्ध कराए। मामले में पहले भी कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। आरोपी को 25 अप्रैल तक पुलिस रिमांड पर लेकर पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

इंफोसिस का मुनाफा चौथी तिमाही में 21% बढ़ा:यह 8,501 करोड़ रहा, रेवेन्यू 13% बढ़ा; निवेशकों को 25 रुपए डिविडेंड देगी कंपनी

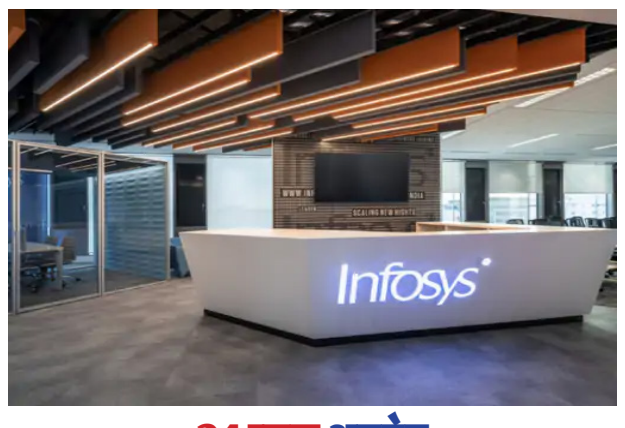

24 न्यूज अपडेट

आईटी कंपनी इंफोसिस ने 23 अप्रैल को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 21% बढ़कर 8,501 करोड़ रहा। पिछले साल इसी तिमाही में 7,033 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

ऑपरेशन्स से होने वाला रेवेन्यू करीब 13.38% बढ़ा। यह 46,402 करोड़ पर पहुंच गया है, जो पिछले साल 40,925 करोड़ था। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिलने वाला पैसा रेवेन्यू होता है। अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए इंफोसिस ने FY27 के लिए अपने रेवेन्यू गाइडेंस के अनुमान को 1.5%-3.5% किया है।

निवेशकों को 25 रुपए डिविडेंड देगी कंपनी

इसके अलावा कंपनी ने अपने निवेशकों को 25 रुपए का डिविडेंड देना का भी ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरधारकों के देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है।

जयपुर में एक साल तक छिपा रहा आतंकी, फर्जी पहचान से पासपोर्ट बनाकर विदेश भागा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजधानी के जयसिंहपुरा खोर इलाके से जुड़ा एक बड़ा खुलासा सामने आया है, जहां लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी उमर हारिस उर्फ अमजद उर्फ 'खरगोश' करीब एक साल तक गुमनाम तरीके से रह रहा था। उसने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाया और उसी के जरिए इंडोनेशिया होते हुए सऊदी अरब भागने में सफल रहा। जांच में सामने आया कि आतंकी राशिद विहार कॉलोनी (सड़वा मोड़ के पास) में 'सज्जाद' नाम से किराए पर रह रहा था। उसे हरियाणा के एक युवक ने महज 1500 रुपए में कमरा दिलवाया था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वह दिन के करीब 16 घंटे लैपटॉप पर बिताता था और किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करता था। सुनसान इलाके का चुना ठिकाना आतंकी ने जानबूझकर ऐसी लोकेशन चुनी, जहां आवाजाही कम हो। कॉलोनी अंदर होने के कारण वहां लोगों का आना-जाना कम रहता है, जिससे वह बिना शक के एक साल तक छिपा रहा। मामले का खुलासा तब हुआ जब जम्मू-कश्मीर पुलिस को इनपुट मिला। इसके बाद राजस्थान एटीएस की मदद से 3 अप्रैल को संयुक्त कार्रवाई करते हुए कॉलोनी में दबिश दी गई। करीब 10 गाड़ियों में पुलिस पहुंची और कई घंटों तक पूछताछ की। एटीएस के एडीजी दिनेश एम.एन. के अनुसार, चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंपा गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि 'सज्जाद' नाम से रह रहा व्यक्ति बेहद शांत स्वभाव का था, न किसी से मिलना-जुलना, न कोई सामाजिक गतिविधि। वह केवल नमाज के लिए जाता और तुरंत लौट आता था। इसी व्यवहार के चलते वह लंबे समय तक संदेह से बचा रहा। जांच एजेंसियां अब इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि जयपुर में उसके सहयोगी कौन थे और वह लैपटॉप के जरिए किन गतिविधियों में शामिल था। घटना के बाद इलाके में सन्नाटा और लोगों में हैरानी का माहौल है।

संपादकीय : समाधान की राह

अमेरिका - इजरायल और ईरान के बीच बुद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बड़ा दिया गया है। इससे उन आशंकाओं पर फिलहाल विराम लग गया है कि पश्चिम एशिया में फिर से बारूद बरसने लगेगा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से की गई इस घोषणा को अस्थायी रूप से भले ही एक अच्छी पहल माना जा रहा है, लेकिन जब तक दोनों पक्षों के बीच विवाद का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक युद्ध की चिंगारी अंदर ही अंदर सुलगती रहेगी। यही नहीं, बुद्धविराम की अवधि बढ़ाने का फैसला तभी सार्थक साबित होगा, जब होमुंज जलमार्ग को दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा, क्योंकि इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट पैदा हो गया है। इसका प्रभाव उन देशों पर भी पड़ रहा है, जिनका युद्ध से सीधे तौर पर कोई संबंध नहीं है। होमूंज जलमार्ग को लेकर ईरान के अड़ियल रवैये के बाद अमेरिका की नाकेबंदी से हालात और जटिल हो गए हैं। ऐसे में जरूरी है कि अब दोनों पक्ष उस शांति वार्ता को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता दें, जो पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बेनतीजा रही थी । गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्धविराम की अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी, जबकि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर कोई अधिकारिक घोषणा नहीं की गई थी। अमेरिका चाहा कि वार्ता आगे बढ़े, लेकिन ईरान ने अमेरिका की ओर से मिल रही धमकियों का हवाला देते हुए बातचीत की मेज पर आने की सहमति नहीं जताई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने यह कदम तेहरान के आंतरिक मतभेदों से जूझ रहे नेतृत्व को सात सप्ताह से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के उद्देश्य से उठाया है । मगर, सवाल है कि ईरान की ओर से जो प्रस्ताव पूर्व में दिया गया था और जिसे पहले दौर की शांति वार्ता में रखा गया था, जब उस पर किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई, तो नए प्रस्ताव की स्वीकार्यता कैसे संभव हो पाएगी ? क्या ईरान अपनी शर्तों में नरमी लाएगा या फिर अमेरिका अपने रुख में बदलाव लाने पर विचार करेगा ? वर्तमान में दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह के तेवर दिखाए जा रहे हैं, उससे स्थिति सुधरने के बजाय जटिल होती जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने बुद्धविराम बढ़ाने के एलान के साथ यह भी स्पष्ट कर दिया है कि ईरान पर हमले तभी तक रुकेंगे रहेंगे, जब तक उसके नेता और प्रतिनिधि समेकित प्रस्ताव तैयार नहीं कर लेते। साथ ही कहा कि ईरान के बंदरगाहों पर आर्थिक नाकेबंदी जारी रहेगी। इस घोषणा के बाद ईरान की ओर से होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले किए गए। इससे पहले अमेरिका की नौसेना ने ईरानी कच्चे तेल को ले जा रहे एक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था। इस बीच, ईरान ने कहा है कि अमेरिका की ओर से जब तक नाकेबंदी नहीं हटाई जाती है, तब तक बातचीत दोबारा शुरू नहीं होगी। इससे साफ है कि भले ही युद्धविराम काफी हद तक कायम रहे और ईरान तथा अमेरिका बड़े हमले दोबारा शुरू न करें, फिर भी यह तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए रखेगा। सवाल है कि क्या अमेरिका और ईरान की यह जिम्मेदारी नहीं है, जिन देशों का इस युद्ध से सीधा संबंध नहीं है, उन पर इसका कोई प्रभाव न पड़े? दोनों देशों को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि वे शांति वार्ता की मेज पर आएं और ईमानदारी से विवाद का स्थायी हल खोजने की कोशिश करें।

लापरवाही की कीमत

विचित्र बात है कि सर्वोच्च न्यायालय के तमाम दिशा-निर्देशों के बावजूद न तो रिहायशी इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने पर गंभीरता दिखाई जा रही है और न ही इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए स्थानीय निकाय ईमानदारी से प्रयास करते नजर आ रहे हैं। नतीजा यह कि कई जगहों पर आज भी नागरिक भय और जोखिम में हैं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में हाल में हुई आवारा कुत्ते के काटने की एक खौफनाक घटना ने आम लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक दुल्हन की विदाई के समय बारातघर में घुसे आवारा कुत्ते ने साठ से अधिक लोगों को काट लिया। अचानक हुए इस हमले में वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और इससे कई लोगों को चोटें भी आई हैरत की बात है कि इतनी बड़ी घटना होने पर भी स्थानीय प्रशासन की ओर से आवारा कुत्ते को पकड़ने की कोशिश नहीं की गई। परिणाम यह हुआ कि उसने बारातघर से निकल कर कई राहगीरों और दुकानदारों को भी काटा और फिर एक गांव में मवेशियों पर हमला किया। इस घटना की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा कता है कि सौ से ज्यादा लोगों को रेबीजरोधी टीके लगवाने पड़े। यह निराशाजनक ही है कि शीर्ष अदालत की कड़ी हिदायत के बाद भी आक्रामक कुत्तों को पकड़ने और उन्हें आश्रय स्थलों पर भेजने की माकूल व्यवस्था नहीं की जा रही है । अगर जिला प्रशासन और नगर निकाय ही अपना दायित्व नहीं निभाएंगे, तो आखिर नागरिक अपनी फरियाद लेकर कहां जाएंगे ? बदायूं में हुई घटना से वहां के लोग सहमे हुए हैं और इस बात का खतरा बना हुआ है कि कहीं कोई और कुत्ता इस तरह से आक्रामक न हो जाए। इसमें दोराय नहीं कि अगर आवारा कुत्ते को समय रहते पकड़ लिया गया होता, तो इतनी बड़ी संख्या में लोग जख्मी नहीं होते। स्थानीय प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि अगर आवारा कुत्ते आक्रामक हो रहे हैं, तो तत्काल समुचित उपाय किए जाने चाहिए। इस तरह की लापरवाही के लिए जो भी दोषी हों, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाना जरूरी है, क्योंकि यह मसला आम नागरिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ा है।

चार महीने से फरार नशे के दो इनामी सौदागरों को कुराबड़ पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर से दबोचा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले में अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच कुराबड़ थाना पुलिस ने एक बार फिर यह साफ कर दिया कि "फरारी" कोई स्थायी समाधान नहीं, बस गिरफ्तारी की तारीख टालने का एक अस्थायी बहाना है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशों में चल रही कार्रवाई के तहत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और पुलिस उप अधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में थानाधिकारी तेजु सिंह ने अपनी टीम के साथ मिलकर दो इनामी अपराधियों को आखिरकार कानून के शिकंजे में ले ही लिया। ये दोनों आरोपी—नरेश पुत्र मोहनलाल निवासी भंवरासिया घाटी थाना डबोक, जिला उदयपुर एवं मुकेश पुत्र गमेरलाल निवासी भंवरासिया थाना डबोक, जिला उदयपुर—पिछले चार महीनों से पुलिस की आंखों में धूल झोंकते हुए फरार थे, जिन पर 5000-5000 रुपये का इनाम भी घोषित था। लेकिन तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र के संयोजन ने उनकी "आज़ादी" का रास्ता ट्रांसपोर्ट नगर, प्रतापनगर में ही बंद कर दिया। गिरफ्तारी के बाद अब दोनों को उस मामले में शामिल किया गया है, जो पहले ही नशीले पदार्थों की अवैध सप्लाई के जाल को उजागर कर चुका है।

मामले की जड़ः कोडीन की खेप और ट्रांसपोर्ट का नेटवर्क यह पूरा घटनाक्रम 27 दिसंबर 2025 से शुरू होता है, जब गोवर्धन विलास थाना पुलिस को सूचना मिली कि पुष्कर्राज पुत्र भंवरलाल निवासी ढिमड़ा, वल्लभनगर ने पुण्या ट्रान्सपोर्ट कॉर्पोरेशन, ब्लॉक-डी, 29 ट्रांसपोर्ट नगर, बलीचा, उदयपुर के माध्यम से प्रतिबंधित कोडीन युक्त नशीली दवाइयों की खेप मंगवाई है और वह खुद उसे लेने पहुंचा हुआ है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए न सिर्फ दवाइयों को जब्त किया बल्कि मौके से आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। इस पर प्रकरण संख्या 391/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज हुआ। यहीं से खुला वह जाल, जिसमें सप्लाई, परिवहन और वितरण की पूरी श्रृंखला शामिल थी। इस प्रकरण का अनुसंधान उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार थानाधिकारी तेजु सिंह द्वारा शुरू किया गया। हालांकि, नेटवर्क के अन्य सदस्य फरार हो गए, जिनमें से दो—अब गिरफ्तार—पुलिस के लिए लंबे समय से चुनौती बने हुए थे।

टीमवर्क का असरः जमीनी पुलिसिंग से साइबर ट्रैकिंग तक इस कार्रवाई में थानाधिकारी तेजु सिंह के नेतृत्व में टीम के सदस्य—भगवत सिंह (स.उ.नि.), राजेन्द्र कुमार (कानि. 2997), माधुसिंह (कानि. 319), लोकेन्द्र सिंह (कानि. 1708), मुराराम (कानि. 3108), लीलाराम (कानि. 2751, अभय कमांड) और लोकेश रायकवाल (कानि. 2252, साइबर सेल)—ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तकनीकी सहायता और सूचनाओं के समन्वय ने इस ऑपरेशन को सफलता तक पहुंचाया।

साइबर शील्ड व जीवन रक्षा अभियान पर रेंज स्तरीय कार्यशाला, आईजी ने तकनीक और जागरूकता पर दिया जोर

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। साइबर अपराधों और सड़क हादसों पर प्रभावी रोक के लिए उदयपुर रेंज पुलिस ने "साइबर शील्ड" और "जीवन रक्षा अभियान-एक सुरक्षित सफर की ओर" के जरिए जागरूकता को जनआंदोलन बनाने की दिशा में अहम पहल की है। इस अभिनव मॉडल में आमजन को ऑनलाइन क्विज के माध्यम से जोड़ा जा रहा है, जिसमें भाग लेने पर संबंधित जिले के एसपी के हस्ताक्षर से प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

पुलिस लाइन सभागार में आयोजित रेंज स्तरीय कार्यशाला में पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव ने कहा कि "जागरूकता ही बचाव है" और बदलती परिस्थितियों में लोगों को अपनी लाइफ स्टाइल में सुधार लाना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि साइबर ठगी, डिजिटल फ्रॉड और सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सतर्कता, नियमों की पालना और जिम्मेदार व्यवहार जरूरी है। उन्होंने हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हर्ष रतनू ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं समाज में सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं और हर व्यक्ति को इसमें भागीदार बनना चाहिए। उदयपुर रेंज पुलिस और यूनिसेफ राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में यूनिसेफ की राज्य स्तरीय बाल संरक्षण सलाहकार सिंधु बिनुजीत ने डिजिटल क्विज लिंक, उसके संचालन और प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन लिंक के माध्यम से क्विज भरते हुए साइबर सुरक्षा और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संकल्प लिया। इस दौरान गीतांजलि इंस्टीट्यूट के डॉ. चिंतल पटेल और राजसमंद साइबर सेल के खेरोल वसीम ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। इस पूरे कार्यक्रम में एएसपी राजसमंद रजत विश्नोई, सलूंबर एएसपी रतन चावला, बांसवाड़ा एएसपी गोविंद सिंह, प्रतापगढ़ एसएसपी बलवीर सिंह, चित्तौड़गढ़ पुलिस उपाधीक्षक शिवप्रकाश, उदयपुर पुलिस उपाधीक्षक विनय चौधरी सहित कार्यक्रम टीम के दिलीप सालवी भी उपस्थित रहे और सभी ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

यूको बैंक के एटीएम पर बदमाशों ने कर ली 1.80 लाख की ठगी, बुजुर्ग के खाते से रकम पार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अप्रैल। अम्बामाता थाना क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें अज्ञात बदमाश ने एक बुजुर्ग के खाते से 1 लाख 80 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी राजेन्द्र सिंह सामर (76) पुत्र स्व. भैरूलाल सामर, निवासी 382, केशव कुंज टीचर्स कॉलोनी, अम्बामाता ने 22 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराई। वे खान एवं भू-विज्ञान विभाग से सेवानिवृत्त हैं। उनकी पत्नी शोभा सामर के नाम से यूको बैंक में खाता संचालित है।

प्रार्थी ने बताया कि 1 अप्रैल को सुबह करीब 9 बजे वे मल्लातलाई चौराहे से पहले स्थित यूको बैंक के एटीएम पर पैसे निकालने गए थे। उन्होंने दो बार में 10-10 हजार रुपए निकाले, लेकिन इसके बाद पैसे नहीं निकले। इसी दौरान पास खड़े एक अज्ञात व्यक्ति ने चतुराई से उनका एटीएम कार्ड बदल दिया, जिसकी उन्हें जानकारी नहीं हो सकी।

अगले दिन 2 अप्रैल को मोबाइल पर आए एसएमएस से उन्हें पता चला कि उनके खाते से अलग-अलग एटीएम के माध्यम से कुल 1,80,000 रुपए निकाले जा चुके हैं। इसके बाद उन्होंने पुलिस थाना अम्बामाता में शिकायत दी। पुलिस ने प्रकरण संख्या 181/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4) व 303(2) में मामला दर्ज कर लिया है। जांच एएसआई नरेश कुमार को सौंपी गई है, जो सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटे हैं। थाना स्तर पर रिपोर्ट दर्ज करते हुए बताया गया कि लिखित परिवाद के आधार पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है तथा एफआईआर की प्रतियां नियमानुसार जारी की गई हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि एटीएम का उपयोग करते समय सतर्क रहें और किसी अजनबी की सहायता लेने से बचें, ताकि इस प्रकार की ठगी से बचा जा सके।

7 साल से फरार दो महिला वारंटी गिरफ्तार, ऋषभदेव पुलिस की सटीक कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले के ऋषभदेव थाना पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 7 साल से फरार चल रही दो महिला स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा अंजना सुखवाल और वृताधिकारी ऋषभदेव राजीव राहर के सुपरविजन में थानाधिकारी हेमंत अहारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सुनियोजित तरीके से दबिश देकर दोनों आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार महिलाओं में सल्ला उर्फ शीला देवी और कमला उर्फ फुली देवी शामिल हैं, जो बिलख फला गोरिम्बा क्षेत्र की रहने वाली हैं और पिछले कई वर्षों से फरार चल रही थीं। दोनों के खिलाफ अपर सेशन न्यायालय खेरवाड़ा में मुकदमा संख्या 139/2016 और प्रकरण संख्या 94/2014 (धारा 341, 323, 307, 34 भादसं) में स्थाई वारंट जारी थे। पुलिस ने मुखबिर सूचना और तकनीकी सहायता के आधार पर उनकी लोकेशन ट्रेस कर उन्हें अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की कार्रवाई जारी है। इस पूरी कार्रवाई में थानाधिकारी हेमंत अहारी के साथ उप निरीक्षक जोरावर सिंह और विनोद कुमार, कांस्टेबल कैलाश चंद और नरेन्द्र सिंह, महिला कांस्टेबल अनिता तथा कांस्टेबल वीरभद्र सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शादी समारोह के बीच भड़की आग, दो दुकानें जलीं

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। क्षेत्र के निकुंज वाटिका के पीछे गुरुवार को अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ने तेजी से फैलते हुए बाड़े में रखे सिंचाई के प्लास्टिक पाइपों को चपेट में ले लिया, जो देखते ही देखते जलकर खाक हो गए। पास की दो दुकानें भी आग की लपटों से बच नहीं सकीं। घटना के समय वाटिका में शादी समारोह चल रहा था। आग की लपटें बढ़ती देख एहतियात के तौर पर तुरंत मंडप और स्टेज को हटाया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ जैसे हालात बन गए। सूचना मिलते ही गोगुंदा थानाधिकारी श्याम सिंह चारण पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रित किया। वहीं उदयपुर से पहुंची दो दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी में लाखों रुपये का माल-सामान जलकर नष्ट हो गया। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। घटना ने गोगुंदा उपखंड मुख्यालय में फायर ब्रिगेड सुविधा के अभाव को एक बार फिर उजागर कर दिया है। करीब 35 किलोमीटर के क्षेत्र में आए दिन 2 से 4 आगजनी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन अब तक स्थायी दमकल व्यवस्था नहीं हो सकी है।

14 साल से फरार दो स्थाई वारंटी गिरफ्तार, खेरवाड़ा पुलिस की कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा। लंबे समय से फरार वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में खेरवाड़ा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 14 साल से फरार दो स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल और वृताधिकारी राजीव राहर के सुपरविजन में थानाधिकारी करनाराम जाट के नेतृत्व में गठित टीम ने आसूचना और तकनीकी सहयोग के आधार पर दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नयनेश उर्फ पप्पु उर्फ चायना (निवासी तखतपुरा, साबरकाठा, गुजरात) और अर्जुन (निवासी असोडावाड़ा, खेरवाड़ा) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी नयनेश उर्फ पप्पु उर्फ चायना राजस्थान और गुजरात के कई जिलों में लूट व नकबजनी के मामलों में वांछित चल रहा था और पिछले 14 वर्षों से फरार था। वहीं दोनों आरोपी पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा जारी 411 वांछित अपराधियों की सूची में भी शामिल थे। इनके खिलाफ सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय, खेरवाड़ा में दर्ज प्रकरणों—केस नंबर 106/14 (धारा 393, 394/34 भादसं) और प्रकरण संख्या 266/14 (धारा 323, 384/34 भादसं)—में स्थाई वारंट जारी थे। पुलिस टीम ने संभावित ठिकानों पर दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में थानाधिकारी करनाराम जाट के साथ उप निरीक्षक राकेश मेहता, हेड कांस्टेबल दानवीर, कांस्टेबल मनिन्द्र सिंह (आसूचना अधिकारी), कांस्टेबल अजय और चालक कांस्टेबल अंशुल ने अहम भूमिका निभाई।

डबोक में तलवार से हमला, युवक गंभीर घायल, हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डबोक थाना क्षेत्र में एक युवक पर तलवार से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना मगरी डबोक इलाके की है, जहां रास्ते में रोककर आरोपी ने युवक पर हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, कीरो की मगरी निवासी पीड़ित पक्ष ने रिपोर्ट में बताया कि उनके पुत्र पप्पूलाल कीर पर आरोपी वरदा उर्फ गमेती (निवासी आवलिया वकारी मगरी, थाना डबोक) ने तलवार से वार किया। हमले में पप्पूलाल को गंभीर चोटें आईं और काफी खून बह गया, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना सुबह करीब 7:30 से 8:30 बजे के बीच की बताई जा रही है, जबकि रिपोर्ट शाम 7:40 बजे दर्ज की गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास (धारा 126(2) बीएनएस) सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। मामले की जांच उप निरीक्षक बाबूलाल के जिम्मे सौंपी गई है, जो घटनास्थल और परिस्थितियों की गहन पड़ताल कर रहे हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

प्रतापनगर में अवैध महुए की शराब पकड़ी, आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में देशी महुए की हथकढ़ शराब जब्त की है। कार्रवाई मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पीछे वाले गेट क्षेत्र में की गई। पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल 2026 को सूचना के आधार पर दबिश दी गई, जहां आरोपी शम्भूलाल गमेती (पिता मागीलाल, उम्र 30 वर्ष, निवासी मेहरो का गुड़ा, थाना सखेर, जिला उदयपुर) अवैध रूप से महुए की शराब अपने कब्जे में रखकर परिवहन करते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 16/54 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। कार्रवाई हेड कांस्टेबल उम्मेदराम की टीम द्वारा की गई, जबकि मामले की जांच उप निरीक्षक प्रेमकुमार के जिम्मे सौंपी गई है।

स्कूल के पीछे तंबाकू बिक्रीः भूपालपुरा में कार्रवाई, दुकानदार पकड़ा गया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान सामग्री बेचने के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक दुकानदार को पकड़ा है। मामला गुरु नानक स्कूल के पीछे स्थित श्रीनाथ जनरल स्टोर का है, जहां राहगीरों को गुटखा और तंबाकू बेचा जा रहा था। पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 2:49 बजे पुलिस ने संज्ञान लेते हुए मौके पर कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि स्टोर संचालक विष्णु तेली (पिता फतेहलाल तेली, उम्र 56 वर्ष, निवासी शक्तिनगर, भूपालपुरा) सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान सामग्री बेच रहा था। पुलिस ने धूम्रपान निषेध अधिनियम 2000 की धारा 9/11 के तहत मामला दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की। यह कार्रवाई सर्कल टीम की हैड कांस्टेबल रुकेश (बैज नंबर 1166) द्वारा की गई, जबकि प्रकरण की निगरानी उप निरीक्षक कमलेन्द्र सिंह कर रहे हैं।

सद्दाम उर्फ कांकरोली पर गिरोह बनाकर भय फैलाने का आरोप, अम्बामाता थाने में केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अम्बामाता थाना पुलिस ने संगठित गिरोह बनाकर आमजन में भय फैलाने और सिंडिकेट संचालित करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सउनि अमजद खान ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि आरोपी द्वारा गिरोह बनाकर क्षेत्र में भय का माहौल बनाया जा रहा है। आरोप है कि उक्त आरोपीगण संगठित तरीके से सिंडिकेट संचालित कर रहे हैं, जिससे आमजन में दहशत का वातावरण है। इस मामले में पुलिस ने सद्दाम उर्फ कांकरोली (24) पुत्र छोटेखां, निवासी फारुख आजम कॉलोनी, थाना अम्बामाता को नामजद किया है। पुलिस ने प्रकरण संख्या 182/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 111(2)(B), 111(3) एवं 111(4) में मामला दर्ज किया है। मामले की जांच उप निरीक्षक अजयराज सिंह को सौंपी गई है, जो आरोपी और उसके नेटवर्क की गतिविधियों की पड़ताल में जुटे हैं।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवक घायल; अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अप्रैल। सविना थाना क्षेत्र में गीतांजली अस्पताल के सामने तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी लालूराम मीणा (28) पुत्र लखमा मीणा, निवासी आर्यों का फला, डकन कोटड़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बड़ा भाई लक्ष्मण मीणा अपने हेल्पर देवीलाल के साथ मोटरसाइकिल से धोली की पाटी की ओर जा रहा था। इसी दौरान गीतांजली अस्पताल के सामने एक कार चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए आया और बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में लक्ष्मण मीणा और देवीलाल दोनों घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने प्रकरण संख्या 149/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 281 एवं 125(A) में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल महेन्द्र कुमार को सौंपी गई है।

रेलवे ब्रिज के नीचे अवैध शराब परिवहन करते पकड़ा

24 न्यूज अपडेट

फतहनगर। फतहनगर थाना पुलिस ने रेलवे ब्रिज के नीचे अवैध रूप से देशी शराब का परिवहन करते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार, सउनि जगन प्रसाद की रिपोर्ट पर 22 अप्रैल को रात करीब 8:20 बजे कार्रवाई करते हुए राजू लाल खटीक (43) पुत्र मांगीलाल खटीक, निवासी वार्ड नंबर 10, धुणी, फतहनगर को बिना वैध लाइसेंस के देशी शराब का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने प्रकरण संख्या 83/26 के तहत राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 में मामला दर्ज कर लिया है।

बिना लाइसेंस पर्यटकों को गाइड कर रहा व्यक्ति पकड़ा, सूरजपोल पुलिस की कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पर्यटन नगरी में अवैध रूप से गाइडिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सूरजपोल थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा है, जो बिना वैध लाइसेंस के पर्यटकों को घुमा रहा था। पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल 2026 को एएसआई उम्मेदाराम की टीम ने रंगनिवास से आगे दूधतलाई मोड़ क्षेत्र में कार्रवाई की। यहां संदिग्ध गतिविधि के आधार पर एक व्यक्ति से पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम घनश्याम शर्मा (पिता जमनाशंकर शर्मा, उम्र 52 वर्ष, निवासी गंगा गली, गणेश घाटी, थाना घंटाघर, उदयपुर) बताया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी के पास कोई वैध गाइड लाइसेंस नहीं है और वह होटल, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों व हैंडीक्राफ्ट दुकानों पर पर्यटकों को ले जाकर कमीशन प्राप्त करता है। पुलिस ने पर्यटन व्यवसाय अधिनियम 2010 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की। आरोपी ने खुद को उदयपुर से बाहर का निवासी बताते हुए कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोशिश भी की। कार्रवाई एएसआई उम्मेदाराम के नेतृत्व में की गई, जिसमें हेड कांस्टेबल गणेशलाल भी शामिल रहे।

अंबेरी में अज्ञात शव मिलने से सनसनी, 8–10 दिन पुराना शव सड़ी-गली हालत में बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र के अंबेरी इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव तलेसरा मार्बल के पीछे पड़ा मिला, जहां से दुर्गंध आने पर मामले का खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार, बोरो का गुड़ा अंबेरी निवासी पुष्करलाल गमेती (उम्र 42 वर्ष) ने सूचना दी कि एक व्यक्ति का शव नग्न अवस्था में पड़ा हुआ है, जिससे तेज बदबू आ रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि शव करीब 8 से 10 दिन पुराना है और उसमें कीड़े पड़ चुके हैं। मृतक की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। प्रथम दृष्टया मृत्यु के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पुलिस ने धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल भगवतीलाल के जिम्मे सौंपी गई है, जो मृतक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने में जुटे हैं।

अजमेर पुलिस की ईमानदारी और तत्परता: महिला का खोया 5.50 लाख का सोने का कड़ा 250 कैमरों की मदद से ढूँढ निकाला; कांस्टेबल रामनिवास को 10 हजार का इनाम

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 23 अप्रैल। अजमेर पुलिस ने एक बार फिर आमजन का दिल जीत लिया है, अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की मदद से पुलिस ने महज कुछ ही घंटों में एक महिला का गुम हुआ करीब 3 तोला वजनी सोने का कड़ा बरामद कर उन्हें सही-सलामत सुपुर्द कर दिया। इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाला ने संबंधित कांस्टेबल को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया है।

एसपी अग्रवाला ने बताया कि 20 अप्रैल की शाम करीब 5:45 बजे पुष्कर निवासी श्रीमती लिसा पारासर गंज तिराहा से फव्वारा सर्किल की ओर जा रही थीं। रास्ते में फोन आने पर उन्होंने स्कूटी रोकी और ग्लव्स उतारे, इसी दौरान उनका कीमती सोने का कड़ा कीमत करीब 5,50,000 हाथ से फिसलकर गिर गया। घर पहुँचने पर जब उन्हें कड़ा नहीं मिला, तो वे घबराहट के मारे बेहोश हो गईं। उन्हें तत्काल वैशाली नगर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया और परिजनों ने तुरंत अभय कमांड सेंटर को सूचना दी। कांस्टेबल रामनिवास की मेहनतः 250 कैमरों का खंगाला डेटा सूचना मिलते ही अभय कमांड सेंटर में तैनात कांस्टेबल रामनिवास कड़वा (489) ने मोर्चा संभाला। उन्होंने गंज तिराहा से फव्वारा सर्किल के बीच लगे सीसीटीवी कैमरों का बारीकी से निरीक्षण शुरू किया। सीसीटीवी फुटेज में एक बिना नंबर की स्कूटी पर सवार युवक कड़ा उठाते हुए दिखाई दिया।

कांस्टेबल रामनिवास ने हार नहीं मानी और करीब 200-250 सीसीटीवी कैमरों का रूट चार्ट तैयार कर पीछा किया। कड़ी मशक्कत के बाद युवक की पहचान की गई और उसके घर पहुँचकर सोने का कड़ा बरामद कर लिया गया।

भावुक हुई महिला, एसपी ने दिया इनाम

अपना खोया हुआ जेवर वापस पाकर श्रीमती लिसा पारासर भावुक हो गईं और उन्होंने अजमेर पुलिस व कांस्टेबल रामनिवास का आभार व्यक्त किया। जवान की इस असाधारण कर्तव्यनिष्ठा और तकनीकी सूझबूझ को देखते हुए एसपी अग्रवाला ने कांस्टेबल रामनिवास कड़वा को 10,000 का नकद पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने वाले कार्मिक विभाग की गरिमा बढ़ाते हैं। पुलिस का उद्देश्य केवल अपराध रोकना ही नहीं, बल्कि संकट में फंसे नागरिक की हर संभव सहायता करना भी है।

समन्वय से सुदृढ़ होगा प्रशासनः डीजीपी का जोर, IFS प्रोबेशनर्स के साथ संवाद

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। राजस्थान में प्रशासनिक समन्वय को मजबूत बनाने की दिशा में गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली, जब वर्ष 2024 बैच के भारतीय वन सेवा (IFS) के 7 प्रोबेशनर्स अधिकारियों ने पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ संवाद सत्र में भाग लिया। यह संवाद प्रशिक्षण के साथ-साथ अंतर-विभागीय सहयोग को नई दिशा देने वाला साबित हुआ।

डीजीपी श्री शर्मा ने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि वन विभाग और पुलिस के बीच मजबूत समन्वय आज की आवश्यकता है। उन्होंने वन संरक्षण से जुड़े कानूनों, वनों में होने वाले अपराधों, नवीन आपराधिक कानूनों और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि अवैध खनन, वन भूमि पर अतिक्रमण और वन्यजीव अपराध जैसे मामलों में संयुक्त कार्रवाई से ही प्रभावी परिणाम मिल सकते हैं।

बैठक के दौरान पुलिस तंत्र की कार्यप्रणाली, अपराध नियंत्रण की रणनीतियों और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के व्यावहारिक पहलुओं से भी प्रोबेशनर्स को अवगत कराया गया। वहीं, आईएफएस अधिकारियों ने जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय चुनौतियों और वन सुरक्षा से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए बहु-विभागीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

संवाद में यह भी रेखांकित किया गया कि नियमित सूचना आदान-प्रदान और निरंतर समन्वय से प्रशासनिक दक्षता में उल्लेखनीय सुधार संभव है। जमीनी स्तर पर संयुक्त कार्रवाई से न केवल अपराधों पर नियंत्रण पाया जा सकता है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने प्रोबेशनर्स को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पुलिस के साथ सतत तालमेल बनाए रखने की सलाह दी, ताकि स्थानीय स्तर पर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके। इस दौरान प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) शिखा मेहरा के नेतृत्व में पहुंचे अधिकारियों ने भी साझा जिम्मेदारियों वाले क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने पर सहमति जताई।

संवाद सत्र में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी—डीजी संजय अग्रवाल, अनिल पालीवाल, एडीजी वी.के. सिंह, बिपिन पाण्डे, हवासिंह घुमरिया, एस. सेंगाथिर, रूपिंदर सिंघ और डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप—भी उपस्थित रहे, जिन्होंने विभिन्न विषयों पर अपने अनुभव साझा किए।

स्कूल के पास तंबाकू बिक्री पर कार्रवाई, दुकानदार के खिलाफ केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अप्रैल। गोगुन्दा थाना पुलिस ने स्कूल के पास धूम्रपान सामग्री बेचने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, सउनि हिम्मतसिंह की रिपोर्ट पर नारायण लाल (37) पुत्र खमाना, निवासी बस स्टैंड गोगुन्दा को स्कूल से 100 मीटर की परिधि में धूम्रपान सामग्री बेचते हुए पाया गया। इस पर पुलिस ने प्रकरण संख्या 153/26 के तहत धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम 2000 की धारा 9/11 में मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है।

बिना लाइसेंस शराब परिवहन करते पकड़ा युवक, मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अप्रैल। फतहनगर थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब परिवहन करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सउनि लक्ष्मणलाल की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए सनवाड़ बिज के नीचे चेकिंग के दौरान किशनलाल (30) पुत्र भेरूलाल सालवी, निवासी वार्ड नंबर 14 फतहनगर को बिना वैध लाइसेंस के देशी शराब का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने प्रकरण संख्या 82/26 के तहत आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र कुमार द्वारा की जा रही है।

जमानत शर्तों का उल्लंघनः आरोपी तरुण वर्मा के खिलाफ केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना क्षेत्र में न्यायालय द्वारा निर्धारित जमानत शर्तों का उल्लंघन करने के मामले में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, न्यायिक मजिस्ट्रेट (एन.आई. केस) संख्या-6, उदयपुर के न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण संख्या 4367/2018 में आरोपी तरुण वर्मा उर्फ तरुण कुमावत पुत्र स्व. दिनेश, निवासी न्यू केशव नगर, यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर को 2 अगस्त 2019 को जमानत प्रदान की गई थी। जमानत के दौरान आरोपी ने 15 हजार रुपए का मुचलका पेश कर निर्धारित शर्तों का पालन करने का आश्वासन दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी ने जमानत शर्तों का उल्लंघन करते हुए नियत तिथियों पर न्यायालय में उपस्थित होना बंद कर दिया और पेशी पर अनुपस्थित रहा। इस संबंध में न्यायालय रीडर रचना जैन (33), पत्नी आलेखा वागरेचा, निवासी भुवाणा द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण में आगे की कार्रवाई हेड कांस्टेबल सुमित्रा द्वारा की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से तीन की मौत, चालक के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। टीडी थाना क्षेत्र में तेज गति और लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रैक्टर की टक्कर से दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी जगा (45) पुत्र सोमा जी मीणा, निवासी पहुणा फला कगरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 21 अप्रैल को शाम करीब 7:30 बजे एक ट्रैक्टर (नंबर RJ 27 RC 7179) के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसे में प्रार्थी के पुत्र राकेश सहित पड़ोसी प्रकाश (पुत्र रामलाल) और गोमाराम (पुत्र भगवाना) गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायलों को उपचार के लिए ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने प्रकरण संख्या 59/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 281 एवं 106(1) में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक नारायणलाल द्वारा की जा रही है।

'सेलिब्रेशन नहीं, एहसास' : पृथ्वी दिवस पर चेतावनी- प्रकृति से छेड़छाड़ रोको, वरना संकट गहराएगा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। धरती और प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की जरूरत पर जोर देते हुए प्रबुद्धजनों ने कहा कि आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को भूलते जा रहे हैं। शान्तिपीठ संस्थान के तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित दो दिवसीय संवाद में पर्यावरणविदों, इतिहासकारों और बुद्धिजीवियों ने स्पष्ट किया कि प्रकृति संरक्षण भारतीय संस्कृति का मूल स्वभाव रहा है, जिसे अब फिर से अपनाने की जरूरत है। वक्ताओं ने पृथ्वी दिवस को 'सेलिब्रेशन' नहीं बल्कि 'ओब्जर्वेशन' यानी आत्मचिंतन का दिन बताया। उन्होंने कहा कि लोभ के कारण पहाड़ियों, नदियों और तालाबों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है, जिससे मेवाड़ की प्राकृतिक विरासत खतरे में है। रामा, एकलिंगजी और चिरवा क्षेत्र के लोगों में इसको लेकर चिंता और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहे हैं। संस्थान के संस्थापक अनंत गणेश त्रिवेदी ने कहा कि प्रकृति के साथ अन्याय, मानवता के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने इसे "प्रतिकार दिवस" बताते हुए चेताया कि यदि समय रहते नहीं संभले तो लोभी शक्तियां प्रकृति पर हावी हो जाएंगी। पर्यावरणविद् प्रो. लक्ष्मीलाल शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रयास अभी भी सतही हैं और वास्तविक बदलाव के लिए जनभागीदारी आधारित ठोस कार्य जरूरी हैं। वहीं डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू ने पृथ्वी को एक जीवंत संग्रहालय बताते हुए कहा कि इसका अंधाधुंध दोहन वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए खतरा है। डी.एस. राठौड़ ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हुए चेताया कि अरावली क्षेत्र में हो रहा अनियंत्रित कटान जल संतुलन, भूजल स्तर और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। उन्होंने "कटान निषेध क्षेत्र" घोषित करने, ड्रोन निगरानी और सख्त कानून लागू करने की आवश्यकता बताई। पूर्व देवस्थान आयुक्त दिनेश कोठारी ने कहा कि पृथ्वी हमारी जीवनदायिनी है और इसे बचाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने 2026 के पृथ्वी दिवस संदेश "Our Power, Our Planet" का उल्लेख करते हुए पानी, ऊर्जा और संसाधनों के संयमित उपयोग की अपील की। डॉ. कमल सिंह राठौड़ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से निपटने के लिए अब तत्काल और ठोस कदम उठाने होंगे—प्लास्टिक का उपयोग घटाएं, पेड़ लगाएं और नवीकरणीय ऊर्जा अपनाएं। संवाद में सिंचाई विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश सोनी और उच्च न्यायालय अधिवक्ता उमेश चंद्र शर्मा सहित कई प्रबुद्धजन शामिल हुए, जिन्होंने एक साझा मंच बनाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी प्रयास करने की आवश्यकता जताई।

डॉ. मोहित मछार की संदिग्ध मौत पर बढ़ा आक्रोश, निष्पक्ष जांच के लिए IG को सौंपा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बांसवाड़ा निवासी डॉ. मोहित मछार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में चिकित्सक समुदाय में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर गुरुवार को Doctors Welfare Federation – Rajasthan के बैनर तले चिकित्सकों और समाज के प्रतिनिधियों ने उदयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि डॉ. मोहित मछार 15 अप्रैल 2026 को प्रतापगढ़ जिले के पीपलखूंट क्षेत्र के ग्राम बोरी में एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे, जहां से वे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। बाद में उनका शव एक कुएं में मिलने से पूरे मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। इस घटना ने परिजनों के साथ-साथ चिकित्सक समुदाय को भी झकझोर दिया है। इस अवसर पर Doctors Welfare Federation के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. विकास बामनिया ने कहा कि यह घटना अत्यंत गंभीर है और इससे चिकित्सकों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। उन्होंने मांग की कि मामले की जांच विशेष जांच दल (SIT) से करवाई जाए, ताकि पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि जांच समयबद्ध हो, सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही मृतक के परिजनों को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग भी उठाई गई। चिकित्सक समुदाय ने चेतावनी दी कि यदि मामले में जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्याय मिलने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

युवा अध्येता डॉ. अनूप कुमार बाली को 'नवल किशोर स्मृति आलोचना सम्मान'

24 न्यूज अपडेट

दिल्ली। हिन्दी साहित्य और संस्कृति की प्रतिष्ठित पत्रिका बनास जन ने विख्यात आलोचक प्रो. नवल किशोर की स्मृति में दिए जाने वाले 'नवल किशोर स्मृति आलोचना सम्मान' की घोषणा कर दी है। इस वर्ष यह सम्मान जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली के युवा अध्येता डॉ. अनूप कुमार बाली को उनके चर्चित विनिबंध 'एक रचनाकार के आत्मसंघर्षों का रचनात्मक दस्तावेजः एक साहित्यिक की डायरी और रचना-प्रक्रिया का प्रश्न' के लिए प्रदान किया जाएगा। पत्रिका द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इस विनिबंध का प्रकाशन स्वतंत्र अंक के रूप में किया जाएगा तथा सम्मान राशि भी भेंट की जाएगी। चयन के लिए गठित निर्णायक समिति में डॉ. सत्यनारायण व्यास (चित्तौड़गढ़), प्रो. माधव हाड़ा (उदयपुर) और डॉ. हिमांशु पंड्या (रानीवाड़ा) शामिल थे, जिन्होंने सर्वसम्मति से डॉ. बाली की पांडुलिपि का चयन किया। सम्प्रति डॉ. अनूप कुमार बाली जामिया मिल्लिया इस्लामिया से हिन्दी साहित्य में पीएचडी कर रहे हैं। इससे पूर्व वे अम्बेडकर विश्वविद्यालय से साहित्यिक कला विषय पर पीएचडी कर चुके हैं। 4 अक्टूबर 1990 को दिल्ली में जन्मे बाली ने दीनदयाल कॉलेज, दिल्ली से स्नातक और अम्बेडकर विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की है। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने अपने वक्तव्यों में बाली के शोध को महत्वपूर्ण बताया। डॉ. सत्यनारायण व्यास ने कहा कि मुक्तिबोध की डायरी पर किया गया यह अध्ययन रचना-प्रक्रिया की गहराई को नए आयाम देता है। वहीं प्रो. माधव हाड़ा के अनुसार, बाली का विनिबंध मुक्तिबोध की रचनात्मक प्रक्रिया के द्वंद्व और आत्मसंघर्ष को समझने का एक नवीन प्रयास है। डॉ. हिमांशु पंड्या ने इसे मुक्तिबोध के आत्मसंघर्ष के व्यापक राजनीतिक निहितार्थों को उद्घाटित करने वाला महत्वपूर्ण अध्ययन बताया। परामर्श समिति के संयोजक एवं माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी कॉलेज, उदयपुर के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. मलय पानेरी ने बताया कि प्रो. नवल किशोर के आलोचना क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान को स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से यह सम्मान प्रारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे देशभर के युवा अध्येताओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्षों में यह सम्मान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की निवेदिता प्रसाद और दिल्ली विश्वविद्यालय के असीम अग्रवाल को प्रदान किया जा चुका है। इस संबंध में बनास जन के संपादक डॉ. पल्लव ने बताया कि यह सम्मान हिन्दी आलोचना के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

माहवारी पर चुप्पी नहीं, संवाद जरूरी' : पिता भी निभाएं जिम्मेदारी - संजय निराला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। माहवारी जैसे संवेदनशील विषय पर समाज में खुलकर संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हुए संजय निराला ने कहा कि "पुरुषों की भी जिम्मेदारी है कि वे इस विषय को समझें और अपने बच्चों से इस पर खुलकर बात करें, ताकि भ्रांतियां और गलत धारणाएं खत्म हो सकें।" वे जतन संस्थान द्वारा आयोजित माहवारी स्वच्छता प्रबंधन विषयक विशेष कार्यशाला में संबोधित कर रहे थे। जतन संस्थान के 25 वर्षों के अनुभवों को समुदाय तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पा रावल सभागार में हुई, जहां माहवारी स्वच्छता की जरूरत और उसके विकास की यात्रा को शॉर्ट फिल्म के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. कैलाश बृजवासी और अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मी मूर्ति ने वर्ष 2001 से अब तक माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए कार्यों को पीपीटी के माध्यम से साझा किया। इस अवसर पर "1970 to 2025 Stories About Menstrual Products In India" शीर्षक से तैयार ग्राफिक नॉवेल का विमोचन किया गया, जिसमें भारत में माहवारी प्रबंधन से जुड़े उत्पादों की विकास यात्रा को क्रमबद्ध तरीके से दर्शाया गया है। इस विमोचन में डॉ. लक्ष्मी मूर्ति, डॉ. गायत्री तिवारी, संजय निराला, डॉ. कैलाश बृजवासी, इन्द्राणी डे पार्कर, खुशबू सोलंकी, सोम्या, सुची, जिनी श्रीवास्तव सहित अन्य अतिथि शामिल रहे। जतन संस्थान के बोर्ड सदस्य संजय चितौड़ा, डॉ. सुमन सिंह, मुकेश सिन्हा और गोवर्धन सिंह चौहान ने वर्तमान व पूर्व कार्यकर्ताओं और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। खुले सत्र में मरुधर सिंह के संचालन में प्रतिभागियों ने माहवारी प्रबंधन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। वहीं, प्रदर्शनी कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही, जिसमें 'जैसे-जैसे हम बढ़ते हैं' लकड़ी का कावड़, 'कहानी हर माह की', दृष्टिबाधितों के लिए विशेष किट, 'सुंदर-सुंदरी' पोस्टर, 'उगेर पेड़' और कपड़े से निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। संचालन दिव्यांशु पाठक ने किया, जबकि अंत में डॉ. सुरभि यादव और जगदीश सुथार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

युवती की सेल्फोस खाने से मौत, प्रताड़ना का आरोप

24 न्यूज अपडेट

खेरोदा। खेरोदा थाना क्षेत्र में 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने एक युवक पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पिता ने रिपोर्ट में बताया कि पुत्री ने कथित रूप से जयदीप चौबीसा निवासी सलूम्बर द्वारा प्रताड़ित किए जाने से परेशान होकर सेल्फोस की गोलियां खा लीं, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने बीएनएस की धारा 202 सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है और पुलिस आरोपों की सत्यता तथा घटना के सभी पहलुओं की गहराई से पड़ताल कर रही है। थानाधिकारी खेरोदा सुरेश विश्नोई के निर्देशन में पुलिस टीम साक्ष्य जुटाने और संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ में जुटी है।

भीषण गर्मी में 'परिंदे' बने पक्षियों का सहारा, स्कूल स्टाफ ने उठाई जिम्मेदारी

24 न्यूज अपडेट

भूपालसागर (अरविंद गर्ग)। भीषण गर्मी और लू के बीच बेजुबान पक्षियों के लिए राहत बनकर एक सराहनीय पहल सामने आई है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भूपालसागर परिसर में नीम और बरगद के पेड़ों पर पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर उनके लिए दाना-पानी की व्यवस्था की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मदन लाल मेघवाल ने बताया कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी और भोजन की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसर के सुरक्षित स्थानों पर परिंडे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों में जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम भी है। अभियान की खास बात यह रही कि केवल परिंडे बांधने तक सीमित न रहकर उनकी नियमित देखरेख की जिम्मेदारी भी तय की गई है। विद्यालय स्टाफ और एनएसएस स्वयंसेवकों को रोजाना इन परिंडों में दाना और पानी भरने का दायित्व सौंपा गया है, ताकि किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। इस अभियान में किशन सिंह वर्मा, डॉ. साधना शर्मा, राकेश जैन, डॉ. मदन लाल मेघवाल, मनीष सालवी, शुभम चाष्टा, शशिकांत पटवा, अनीता मीना, बलदेव और जगदीश धाकड़ सहित कई स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

बाल चिकित्सालय में 'क्लीन-केयर मॉडल' : कलेक्टर का सघन निरीक्षण, हर माह होगी मॉनिटरिंग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 अप्रैल। शहर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय स्थित शिशु रोग विभाग में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने गुरुवार सुबह सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल एवं नियंत्रक डॉ. राहुल जैन, एमबी अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.एल. सुमन, बाल चिकित्सालय विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक अरोड़ा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण की शुरुआत में कलेक्टर अग्रवाल ने अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से यह देखकर संतोष जताया कि परिसर के कोनों और सीढ़ियों पर पान-गुटखा के निशान नहीं थे। इस पर अधीक्षक डॉ. सुमन ने बताया कि प्रवेश द्वार पर सख्त निगरानी, जागरूकता और पर्याप्त कचरा पात्रों की व्यवस्था से यह संभव हुआ है। कलेक्टर ने ओपीडी, वैक्सीनेशन कक्ष और एडोलसेंट सेंटर का अवलोकन करते हुए सिकल सेल एक्सीलेंस सेंटर की व्यवस्थाओं की भी सराहना की। उन्हें बताया गया कि यह देश का दूसरा सिकल सेल एक्सीलेंस सेंटर है। उन्होंने जनसहभागिता बढ़ाने के लिए चल रहे हस्ताक्षर अभियान में भी भाग लिया। साथ ही हीमोफीलिया और थैलेसीमिया वार्ड में 300 से अधिक पंजीकृत मरीजों के नियमित उपचार की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। संभाग के प्रमुख केंद्र होने के कारण यहां भर्ती अति-कुपोषित बच्चों के उपचार और उनके परिजनों को दिए जाने वाले भत्ते की जानकारी भी कलेक्टर ने ली। उन्होंने आईसीयू, पीआईसीयू और कुपोषण वार्ड की रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की जांच की। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने अस्पताल विस्तार और निर्माण कार्यों की प्रगति तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर माह जिला कलेक्टर कार्यालय स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए, जिसमें पुलिस विभाग को भी शामिल किया जाएगा, ताकि यातायात, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। इस संबंध में उन्होंने प्रिंसिपल डॉ. राहुल जैन को विस्तृत एजेंडा तैयार करने के निर्देश दिए। जन-जागरूकता पर जोर देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक अरोड़ा ने बताया कि कई मरीजों का खर्च योजना समाप्त होने के बाद अस्पताल स्तर पर वहन किया जाता है। इस पर कलेक्टर ने फील्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता बताई, ताकि पात्र लोगों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान उप अधीक्षक डॉ. संजीव टांक, सीनियर प्रोफेसर डॉ. आसिफ, नर्सिंग अधीक्षक और अन्य चिकित्साकर्मी भी मौजूद रहे।

ई-लाइब्रेरी में हाईटेक सिस्टम की ट्रेनिंग, बिना इश्यू कराए पुस्तक बाहर ले गए तो सिक्योरिटी गेट अलार्म, खिंच जाएगा फोटो

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम की ई-पब्लिक लाइब्रेरी, अशोक नगर में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर आधुनिक तकनीक आधारित पुस्तकालय सेवाओं को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सदस्यों को स्वचालित मशीनों और डिजिटल सिस्टम के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। पुस्तकालयाध्यक्ष राव भगवत सिंह ने बताया कि लाइब्रेरी में आरएफआईडी आधारित हाईटेक सिस्टम लागू किया गया है, जिससे पुस्तक इश्यू और रिटर्न की प्रक्रिया पूरी तरह स्वचालित हो गई है। वर्तमान में पुस्तकालय में 519 सदस्य पंजीकृत हैं, जिन्हें ई-सदस्यता कार्ड प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी में प्रवेश और निकास के समय सदस्यों और कर्मचारियों को डिजिटल अटेंडेंस रीडर पर कार्ड टैप करना अनिवार्य होगा। सदस्य अपनी पसंद की पुस्तक बुक हैंडलर के माध्यम से सर्च कर सकते हैं। पुस्तक इश्यू या रिटर्न करते समय सदस्य को अपना ई-कार्ड और पुस्तक सेल्फ चेक-इन/चेक-आउट कियोस्क पर रखना होगा, जिसके बाद स्वचालित पर्ची मशीन से रसीद निकलती है। बुक रिटर्न के लिए विशेष बुक ड्रॉप मशीन की व्यवस्था की गई है, जहां ड्रॉप बॉक्स में पुस्तक डालकर रिटर्न किया जा सकता है। यदि कोई सदस्य बिना इश्यू कराए पुस्तक बाहर ले जाने का प्रयास करता है, तो सिक्योरिटी गेट पर अलार्म बजने के साथ उसकी फोटो सिस्टम में रिकॉर्ड हो जाएगी। राव ने बताया कि सदस्यों के लिए करीब 10 करोड़ ई-बुक्स की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही अध्ययन कक्ष में एयर कंडीशनिंग, 300 एमबीपीएस हाई-स्पीड इंटरनेट, 10 केवी इनवर्टर और छह कंप्यूटर की सुविधा भी दी गई है। पेयजल के लिए वाटर कूलर, प्यूरीफायर और यूवी सिस्टम की व्यवस्था भी की गई है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने नई तकनीकी सुविधाओं को उपयोगी बताते हुए इसे आधुनिक अध्ययन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।